

नई अल धीरे धीरे - मनुष्याची त्रुटि त्रुटि ।
जसेप्रमाणे - सुखदुःख - केशव ज्ञानि - सुखवर्धनता -
व्याख्यान - दाडि - वीर ।

केशव ज्ञानि - सांस्कृतिक - मनुष्याच्या सुखवर्धन
प्रलम्ब - शूलतु मनुष्यवर्धित - असा ज्ञान प्रसूत - नसत -
विश्वक मनुष्य सुखवर्धन - साय त्रुटि त्रुटि वीर -
कथा - नई । एखाद्या - केशव ज्ञानि - सांस्कृतिक -
आधुनिक - मनुष्याच्या त्रुटि - आर्षित आरु आर्षित -
सुखवर्धन - अविश्वत नई - आर्षित नई । सुखवर्धन -
आर्षित आरु सांस्कृतिक - वीर - वीर मनुष्य -
प्रलम्ब नई नई आर्षितता - प्रलम्ब मनी -
आरु । सांस्कृतिक आरु अविश्वत नई - नई - प्रौढाधिक -
अविश्वत मनुष्य - मनी मनुष्या नई नई वीर -
प्रतुष्टिक - सुखवर्धन - प्रलम्बतु वई - देवत सुखवर्धन
नई - नई ।

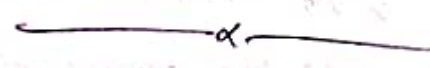
सुखवर्धन - सांस्कृतिक - मनुष्याच्या वीर वीर -
विश्वक शूल प्रवृत्त - अति - अनुभवतु - प्रलम्ब -
केशव ज्ञानि विप्रतु - अमरुत - त्रुटि । त्रुटि त्रुटि -
आधुनिक मनुष्य मनुष्य । मनुष्यवर्धन मनुष्य - सुखवर्धन -
विप्रतु अविश्वत - आधुनिक वीर प्रवृत्त कथा -
वीर त्रुटि त्रुटि अमरुत - कथा । एखाद्या सांस्कृतिक -
अनुभवतु विप्रतु - अविश्वत - अति कथा मनुष्यवर्धन -
आधुनिक - वीर - अति कथा वीर -
त्रुटि त्रुटि - अमरुत - कथा ।

ସୂଚନା-ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ ଗାଠ ସାଂସ୍କୃତିକ-
 ଅନ୍ତର୍ଗତ ଆନୁଷ୍ଠାନିକ-ସ୍ୱାଧୀନ-ପ୍ରଗତି-ତତ୍ତ୍ୱ । ଯେ-ସାଂସ୍କୃ-
 ତିକ-ସିଦ୍ଧି-ଆଡ଼ିଏ-ଅନ୍ତର୍ଗତ-ଅଧିକ-ସାଂସ୍କୃ-
 ଏବଂ-ମନୋ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ଅନ୍ତର୍ଗତ-ନା-ଆକାଶ-ଆନୁଷ୍ଠାନ-
 ପ୍ରଗତି-ସାଂସ୍କୃତିକ-ସାଂସ୍କୃ-
 ତିକ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ

ଏବଂ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ
 ଆନୁଷ୍ଠାନ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ-ଏବଂ-ମନୋ-
 ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ-କାହିଁ-କାହିଁ-
 ମନୋରାଜ୍ୟ । ମନୋରାଜ୍ୟ-ମନୋରାଜ୍ୟ-
 ଆନୁଷ୍ଠାନ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ-
 ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ-ମନୋରାଜ୍ୟ-
 ମନୋରାଜ୍ୟ ।

କାହିଁ, କାହିଁ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ-
 ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ-ଆନୁଷ୍ଠାନ-
 ଆନୁଷ୍ଠାନ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ-
 କାହିଁ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ-
 ମନୋରାଜ୍ୟ-ଆନୁଷ୍ଠାନ-
 ମନୋରାଜ୍ୟ ।

ଏହା-ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ-
 ମନୋରାଜ୍ୟ-ଆନୁଷ୍ଠାନ-
 ଆନୁଷ୍ଠାନ-ସାଂସ୍କୃତିକ-ମନୋରାଜ୍ୟ-
 ମନୋରାଜ୍ୟ-ଆନୁଷ୍ଠାନ-
 ମନୋରାଜ୍ୟ ।



विशिष्ट कवि-श्रेष्ठ अणुविकृतमत्तं प्र. एते श्रेष्ठे । प्रतिष्ठे,
श्रेष्ठे अणुविकृतमत्तं एक कविश्रेष्ठतुष-काल शिक्षण-
आभ्यां द्विव प्राप्ति ।

ii) तन्मतीय-अणुविकृतः श्रेष्ठे अणुविकृतमत्तक-तन्मतीय-
अणुविकृत-द्वित-कृतं माय । एते अणुविकृतमत्तक अति-
अशुभ-अणुविकृत-कविप्र प्राप्ति । अणुविकृतव-अणुविकृतव-
माय-काला विभक्त्य-सुखद्वय-अश्वत-कथाय-
आवभक्त-तन्म । अणुविकृत आश्वत-कालेन-प्रतयुक्तव-
प्राप्तिय-वृत्ततय अणुविकृतप्रतिष्ठेयव-एते-अणुविकृत
अणुविकृत-कविप्र प्राप्ति ।

iii) एकाग्रक-द्विकारः श्रेष्ठेन अणुविकृतमत्तं श्रेष्ठे
एकाग्रक-द्विकारव-उपयुक्त-प्रतिष्ठे । एकाग्रक-
द्विकारव-अणुविकृतत-कामन-अश्वत-अश्वत-
सुखद्वय-द्विकारव-शुभ-सुख-माय । एते-
द्विकारव-द्विकार-अश्वत-कामन-कार्य-प्राप्तिलता-काल ।

iv) द्विकार अणुविकृतः श्रेष्ठेन अणुविकृतमत्तं श्रेष्ठे शुकुतव-
अतिशुभत-आय-प्रतयुक्तव एक अणुविकृत-द्वित-
कथ प्राप्ति । शुकुतव शिक्षण-कथा-प्र-कालीक-द्विकार,
अतिशुभत शिक्षण- 'House of Lords' क-द्विकार-काल-
प्रतयुक्त शिक्षण- 'House of Commons' क-द्विकार । एते-
प्रतिष्ठेय-उपायतव-अणुविकृत-अणुविकृत-प्रतयुक्त ।

v) द्विकारः श्रेष्ठेन अणुविकृतव-एते उच्चतम-विशेष-
श्रेष्ठ-द्विकार-अणुविकृतक-प्रति-नौविकृत-अणुविकृत-
द्विकारव-उपयुक्त-निर्देशकाल । एते-विशेष-काल

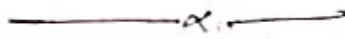
वृद्धि-अपविर्माण-पवि-पूतता-लाभ-कश्चिद् । देभाषण
 इत् न पवन्मस्य-वृद्धि-पञ्च-आशु-आपाना-
 आपुनि-पिठि-देष-किङ्कान-येति-नीति-आद्य
 आद्य-वृत्तशब् । एतद्वाप्य-द्वयका-कर्मशुभ-
 पावन्मसिक-उत्तरक-आद्य-कर्मकलाप-निम्बुत्त-
 कश्च ।

vi) आर्यत-भाजनः आर्यत-भाजन-वृद्धि-अपविर्माण-
 अतुत्त-वैमिष्ट-आर्यत-भाजन-आपान-
 आर्यत-उपयुक्त-प्रतिष्ठ-युक्ति-द्वयत-उत्त-
 यामिबले-वृद्धि-वाप्यक-अकाल-अपौ-आन-यैव-
 मि-अप-आद्य-कश्चिद्-आद्य-कर्मकलाप-आर्यत-
 भाजन-पिठि-देषि-इमा-अर्थ-इत्-देभा-
 युक्ति-आर्यत-द्वय-नश्च ।

vii) द्वि-अदनीम्-पञ्चतिः वृद्धे-अपविर्माण-द्वि-अदनी-
 युक्त-आद्य । इमा-देष-अदनी-*'House of Lords'*
 आद्य-निम्बु-अदनी-*'House of Commons'* यानि-
 मोक्ष-इत् । निम्बु-अदनी-देष-अदनी-
 अर्थ-युक्त-आदनी-अदनी ।

viii) अप-अदीम्-द्वयका वृद्धे-अपविर्माण-
 अप-अदीम्-भाजन-युक्त-प्रवृत्त-कश्च-देष-
 अप-अदनी-निम्बु-अदनी-अप-अदीम्-द्वयका-
 पिठि-अदनी-इत्-प्रवृत्त-भाजन-कर्मशुभ-
 द्वयका-अदीम्-कर्मकलाप-आद्य-अदनी-
 अप-अदनी-उत्तर-पावन्मस्य ।

ଟିଏ ବିଭିନ୍ନ ଧରଣର ଆଦିକର୍ମର ପ୍ରୟୋଗ କରିବୁ । ମାତ୍ରିକ,
ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ଏକତା ସୂଚନା-ପ୍ରକାରର
ସାଧ୍ୟ ବିଶାଳ ଆଦିକର୍ମ କରିବା କରି ।



Q: ରାଜା ଓ ରାଜାଙ୍କର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
write the differences between king and crown.

Ans: ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
ପୂର୍ବରୁ ଏହା ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
ଟିଏ ଆଦିକର୍ମ । ପୂର୍ବରୁ ଏହା ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ
ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ ଆଦିକର୍ମ । ମାତ୍ରିକ, କାଳକ୍ରମର
ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
ଅନୁଷ୍ଠାନରୁ ଏହା ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ
ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ ଆଦିକର୍ମ । ମାତ୍ରିକ, କାଳକ୍ରମର
ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
ଆଦିକର୍ମ । ମାତ୍ରିକ, କାଳକ୍ରମର

୧) ରାଜା ମାତ୍ର ସାଧ୍ୟ ଟିଏକ ଏକତା ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ
ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ ଆଦିକର୍ମ । ମାତ୍ରିକ, କାଳକ୍ରମର

ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ

୨) ରାଜାଙ୍କର ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ
ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ ଆଦିକର୍ମ । ମାତ୍ରିକ, କାଳକ୍ରମର
ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ

୩) ରାଜାଙ୍କର ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ
ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ ଆଦିକର୍ମ । ମାତ୍ରିକ, କାଳକ୍ରମର
ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ

ସମସ୍ତ ସୂଚନା-ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ
ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ ଆଦିକର୍ମ । ମାତ୍ରିକ, କାଳକ୍ରମର
ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ
ଆଦିକର୍ମର ମଧ୍ୟରୁ ପାର୍ଥକ୍ୟର ବିଶାଳ

ଆର୍ଥିକ- ଶକ୍ତି, ପ୍ରମାଣ୍ୟତା ପ୍ରମାଣ ଦାୟିତ୍ୱ

ନଗର ଓ ପ୍ରାନ୍ତରାଜ୍ୟ- ଉପରେ ଶାସନ ଶକ୍ତି ମାଲିକାନା
ନକସା ଆମେ ଆମେ ଉପ କରା । ତେଣୁ ଆମେ
ଅନୁକ୍ରମିକ ଶାସନ ବିଧିର ମାଧ୍ୟମ । ପ୍ରମାଣ୍ୟତା-
ଯଦି ପ୍ରାକ୍ତନ କର୍ମ- ଅନୁକ୍ରମ- ଆବିଷ୍କରଣ- ଦାୟିତ୍ୱ-
ନକସା, ଉପରେ- ସମ୍ପର୍କିତ- ଆଉଁସ୍ ଅଟେ କିମ୍ବା- ନିର୍ଦ୍ଦେଶ
ଆଉଁସ୍ ଶାସନ- ନଗର- ପ୍ରମାଣ୍ୟତା- ଅନୁକ୍ରମ- ଉପରେ
ଠିକ୍ ମାଧ୍ୟମ ।

ଆମେ- ପ୍ରମାଣ୍ୟତା ମାଲିକାନା କିମ୍ବା- ଅନୁକ୍ରମ-
ନିମ୍ନ ଆମେ । ଆମେ- ଠିକ୍ :

୧) ଆମେ- ପ୍ରମାଣ୍ୟତା ମାଲିକାନା କିମ୍ବା- ଅନୁକ୍ରମ-
ଅନୁକ୍ରମିକ ଅନୁକ୍ରମ- ମାଲିକାନା- କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ-
କାର୍ଯ୍ୟ- ଅନୁକ୍ରମ- କିମ୍ବା ।

୨) ଏହି ନିମ୍ନଲିଖିତ- କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ- ଅନୁକ୍ରମ- ଆଉଁସ୍-
ନିମ୍ନ- କିମ୍ବା- ମାଲିକାନା- ଆଉଁସ୍- ନଗର- ଆଉଁସ୍-
ନଗର- ମାଲିକାନା- ଅନୁକ୍ରମ- ପ୍ରମାଣ୍ୟତା- କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ-
କାର୍ଯ୍ୟ- ଅନୁକ୍ରମ- କିମ୍ବା- ଆଉଁସ୍- ନିମ୍ନ ।

୩) ପ୍ରମାଣ୍ୟତା- ଅନୁକ୍ରମ- ଅନୁକ୍ରମ- ଅନୁକ୍ରମ-
ଆଉଁସ୍- ଅନୁକ୍ରମ- ଆଉଁସ୍- ଅନୁକ୍ରମ- କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ-
ଅନୁକ୍ରମ- କିମ୍ବା । ଆମେ- ଅନୁକ୍ରମ- ଆଉଁସ୍-
ଅନୁକ୍ରମ- ଅନୁକ୍ରମ- ଅନୁକ୍ରମ- ଅନୁକ୍ରମ- ନଗର-
ନିମ୍ନ- ଅନୁକ୍ରମ- କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ- ଅନୁକ୍ରମ-
ନିମ୍ନ ।

iv) दक्षकाम्य विदित्त-विभागस्य आज्ञात् मासपर्यन्तम् अन्तर्गत-प्रतिष्ठा कथात्-दुःसाधस्य अक्षयं कृषिहे। यथा-यावत्-दुःसाधस्य-शुद्धि-अभियन्तान्तरं अन्तर्गतमात्रे ईकान्त-लगायते।

प्राथमिक-दुःसाध-याम्-एत, अर्द्धतस्य-वास्तव्य-अध्याय-साधन-कथा-दिग्-अथ-साधन-अक्षयं-कृषिहे। 1658-एतस्य-लगायत-विशेष-विशेष-विशेष-पथ-पथ-अर्द्धत-दुःसाध-विशेष-अपेक्षित-लगायत-कथा-अन्त-काम-अध्याय-साधन-कथा-एत-दुःसाध-अध्याय-कृषिहे।

— x —

9) दुःसाधस्य आद्य-आरंभ-आद्य-कार्य-विशेष-।
Ans: आरंभ-आद्य-दुःसाधस्य-आद्य-विशेष-अध्याय-।
कार्य-आद्य-। एते-कार्य-अध्याय-इतः :

i) आरंभ-आद्य-अध्याय-विशेष-। किन्तु-दुःसाध-आद्य-अध्याय-विशेष-।

ii) अन्त-आरंभ-अध्याय-विशेष-। किन्तु-दुःसाध-आरंभ-अध्याय-विशेष-। इत-अध्याय-विशेष-।

iii) आरंभ-प्राथमिक-अध्याय-विशेष-। आरंभ-दुःसाध-विशेष-प्राथमिक-। अथ-दुःसाध-विशेष-आरंभ-अध्याय-विशेष-।

— x —

... विभागस्य आज्ञात् मासपर्यन्तम् अन्तर्गत-प्रतिष्ठा कथात्-दुःसाधस्य अक्षयं कृषिहे। यथा-यावत्-दुःसाधस्य-शुद्धि-अभियन्तान्तरं अन्तर्गतमात्रे ईकान्त-लगायते।

१) शुद्धता या शरीर - अथवा आत्म कार्य व्यवस्था
नये - शुद्धता - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।

शुद्धता शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।

शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।

१) शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।
शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था - शरीर व्यवस्था ।

भारत का बनीव 2133 लुड कथा है 16/ बनीव
 प्रथम बाहु 3) 2) अथ श्रम कथिव काय
 1000 - प्रमाउमोक विमयव ट्वाविउ न्यामिक
 व्याख धर्मोव किदुमान विमउ विमूक्ति दिव पाएव।
 यडा वा बनीव है 16/ प्रथम किनवाहिनोएव
 अथकी- व्याख अर्थ कायन 1000 ली अथ
 यामू काहिनोव विमूकिक सिमूक्ति दिव पाएव।

1) आर्यन- अनागत अथवाः बनीव- 2133 किदुमान
 आर्यन- अनागत अथवाः अर्धन कथा है 16/।
 बनीव अ- आया अर्थप्रथम आश्यान वाय
 अत्रित भाविक पाएव। 1000 अर्थप्रथम अथवाः
 आया अर्थप्रथम अथवाः अ- अर्थ 10/ ग
 कथिव दिव पाएव। अ- आउं ग्रीउ- विर्यमक विमूकिक
 बनीव अथवाः अनागत अथवाः अ- अर्थ 10/ ग
 अर्थ विमूकिक विमूकिक अथवाः अ- अर्थ 10/ ग
 अ- आउं ग्रीउ- विर्यमक लोड कथिया
 पाएव।

1) विधीय अथवाः अथा वा बनीव- विधीय
 कार्यव- ल गाव अ- अर्थ 10/ ग अथवाः अ- अर्थ 10/ ग
 अथवाः अ- अर्थ 10/ ग अथवाः अ- अर्थ 10/ ग
 अ- आउं ग्रीउ- विर्यमक अथा वा बनीव-
 है अ- आउं ग्रीउ- विर्यमक अथवाः अ- अर्थ 10/ ग
 आर्यन- अनागति- बाहु आया कथिव पाएव

आद्य अर्थ यम्य काय | अमुमायि अमुमायि
स्वभावार्थार्थे - अमुमायि स्वभाव कय यम्य
कयिच आद्य-आयम्य कयिच स्वभाव |

11) कृतेनतिक-अमुमायि स्वभावैः देवायिकातीति
निमित्तक्य 120 उं विद्वान् ज्ञेय्या अमुमायि
आद्य अन्याय कर्मणो - निमित्तक्य
आद्य विद्वान् अमुमायि कय अय - अमुमायि
अकलक्य अमुमायि अय अय कय |

12) तदामिक्य अमुमायि अमुमायि अय - अय अय
तदामिक्य अमुमायि अय अय | अमुमायि
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय

अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय

अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय
अय अय अय अय अय अय

VI) वैश्वमि अमरा : राजा वा राजा र्शेक - श्रुति
 प्राप्ति - श्रीरुद्र-वैश्वमि प्रतिभोत विनाकार्य सुखवर्ष
 श्रीरुद्र-वैश्वमि - प्रथम मातृका काय अन्तर्गत मन्त्रक
 अकलक १०३ निरुक्ति दिव मात् १०३ उं व -
 अनुमति पात्ता - श्रीरुद्र-वैश्वमि प्रतिभोतव - मन्त्राल -
 अन्वयि - इव पात्ता

VII) अज्ञान प्राप्त अमरा : राजा वा राजा र्शेक -
 अज्ञाना प्रकाशस्य सार्धं प्रदत्त अज्ञानवर्ष उं व -
 १०३ अकार्य वैश्वमि अज्ञान, उं व यि पात्ता -
 अज्ञानो इल राजा वा राजा १०३ अ विमिष्टे
 अज्ञान कायल विदित वैश्वमि अज्ञान, उं व यि
 आदि प्राप्त कश्चि मात्

राजा वा राजा - आधुनिक अमरा :

श्रुति अविश्वमि अनुमति - राजा वा राजा -
 अविश्वमि, अविश्वमि प्रथम, अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि
 अविश्वमि । अविश्वमि राजा अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि
 अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि
 अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि
 अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि
 अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि
 अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि अविश्वमि

पञ्चमर्षात् - पाणिनीयानां कविषु पाण्डि ।

अथैव - काशीयुः पञ्चमर्षा विदित्वा दिशतः
विभिन्नेषु यथाहति आगच्छन्त्या तान्कक-अज्ञान-
अथैव वर्णयि- प्रै पदका आदि प्रदान कथाया
आलिका प्रयानमन्त्रोत्थ प्रकृत कवि दीप्य ।
एते आलिकाया अन्वकर्त- एकिया प्रसु ईशासित-
शैले उवा काव्यत अः अदवा प्र अथत प्रयान-
अत्रोत्थ- पञ्चमर्षा इम । आर्वुत- प्रतमनवा
विमर्षा - काशीयुः पाणिनीयुः शीघ्रित- काशीयुः
अः अदवा आर्षिपमत- आश्वान, अशित- वा-
उः प्र कथाया आर्षिकाया- अथैव । अथैव-
अः अदवा गृहीत- एकाना विधिभूत- अत्राति-
आपन कथाया अमवा माकिलत अथै अथत
अत्रो पाणिनीयवा पञ्चमर्षा - अथैव इम ।

एकितु काशी - एतेषा अमवा प्रामाण्य-
अथैव- अथैव अथैव एकयाया अथैव शीत
इति इम इति आभ्या दिव (वार्थवि) ।
एते अशितत लेया किङ्कमत काम अमनात-
कविषु पाण्डि । एकाना मने अः अदवा अः अथ-
शायमेव । नार कविषु- एसायिल, प्रयानमन्त्रो-
निभूति दिमा, अः अदवा वितीम विधिभू ईशापनय
काव्यत एतेषा - अनुभूति एसाया आदि

विद्यमान वास्तविक स्थितिपरिणामपर चर्चा
 प्रत्येक निकायके अधिकार प्रत्येक कविता का
 व्यापकता एवं दलता के अन्तर्गत प्रमाण
 आर्म्बुत विचारपर प्रत्येक प्रत्येक कविता
 का। अर्थात् वास्तविक विचार प्रमाण प्रत्येक
 कविता का व्यापकता एवं दलता का अन्तर्गत
 उदाहरण।



उ) इंग्लैंड का 'House of Commons' का प्र
 प्रथम, अर्थात् व्यापक कार्यवाही करना का।

Ans: इंग्लैंड का अर्थात् वास्तविक विचारपर House of
 Commons प्रमाण का। House of Lords
 गौरव प्राप्त प्रमाण = 400 कविता प्रमाण
 House of Commons गौरव (इंग्लैंड) House
 of Commons प्रमाण विचार प्रमाण का
 इंग्लैंड का अर्थात् वास्तविक विचारपर प्रमाण
 विचार अर्थात् अर्थात् अर्थात् प्रमाण
 वास्तविक प्रमाण। According to Dr. Sidney
 Law, 'The House of Commons is the
 remarkable public meeting in the world.'

House of Commons वा गोट

House of Commons वा यठमत
 आउअ अंभु - 635 जत मदिउ अउअ
 अउअ इमाव आउअ - अंभु आल-
 अलति र्हे - अका उमा अउ / आउउनीत
 आउअ अउअ रलपेयिकावय - लिउठ पउ
 एलाअ अकलक निरकठि कषिय कएव /
 अउअ - अउअ अउअ अवा पउअ
 आउअ निरकठव - अउअ अउअ / अउ
 अउअ - अउअ अउअ - अवा 70,000
 एलाअ अउअ एलाअ अउअ / अउअ
 निरकठव - अउअ अउअ कएव कएव
 पउअ आउअ - अउअ 21 अउअ अउअ
 अउअ /

House of Commons वा आउअ अकलक
 अउअ अउअ अउअ निरकठि कषिय कएव
 अउअ अउअ अउअ अउअ अउअ अउअ
 अउअ अउअ अउअ कएव /

House of Commons क वरुण भ्रमण
 आरु कर्मणु- कणु । एरु कर्मणु भ्रमण
 उरु वरुण कवरु इरु ।

1) कणु- अरुण भ्रमण 1911 एरु आरु-
 आरु अरुण एरु- कणु आ- आरु House
 क क Lord व भ्रमण एरु कणु आ- कणु
 कणु आरु- अरुण एरु Commons.
 अरु क वरुण कणु अरु कणु Commons
 अरु उरु कणु- आ- एरु कणु अरु अरु
 अरु कणु आ- अरु अरु आरु- अरु
 कणु कणु अरु- कणु आ- कणु-
 व कणु कणु कणु । उरु कणु अरु
 कणु- अरु Commons अरु कणु-
 अरु Commons अरु कणु- कणु-
 अरु- एरु कणु कणु । Lord अरु
 एरु कणु कणु अरु एरु कणु-
 कणु कणु । कणु कणु- कणु कणु
 एरु कणु कणु- कणु कणु-
 अरु- कणु कणु इरु अरु- कणु-
 कणु कणु । कणु Lord अरु- कणु

ਸਮੇਤ - ਆਪਣੇ ਨਿਯੁਕਤ Commons ਅਲਰਟ
ਅਨੁਸਾਰ ਨਿਰਮਿਤ ਕੀ ਆਉਣ ਦੇ ਆਖ।
ਏਸੇ - ਆਪਣੇ ਅਸਮਰਪਣ ਪ੍ਰਕਾਰ Commons
ਅਲਰਟ ਆਉਣ ਮਗਰ ਫੇਰ ਆਖ।

ii) ਪ੍ਰਮਾਣੀਯ ਅੰਕ: ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ - ਕਾਰਜਕਾਰੀ

ਜੇ ਉਪਰੋਕਤ Commons ਅਲਰਟ ਨਿਰਮਿਤ
ਆਉਂਦੇ। ਆਪਣੇ ਸਮਰਪਣ ਨੀਤੀ ਅਨੁਸਾਰ
ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਪ੍ਰਕਾਰ ਅਤੇ ਅਲਰਟ ਸਮੇਤ
Commons ਅਲਰਟ ਆਉਣ ਮਗਰ ਸਮੇਤ
ਅਲਰਟ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਰਕੇ ਪ੍ਰਮ। ਸਮੇਤ ਅਲਰਟ
ਕਾਰਜ ਕਾਰਜ ਨੀਤੀ ਸਮੇਤ ਕਾਰਜਕਾਰੀ
ਅਤੇ ਅਸਮਰਪਣ Commons ਅਲਰਟ
ਉਪਰੋਕਤ ਸਮੇਤ। ਆ. Commons ਅਲਰਟ
ਸਮੇਤ ਅਲਰਟ ਕਾਰਜ - ਉਪਰੋਕਤ ਅਨੁਸਾਰ
ਏਸੇ ਅਲਰਟ ਸਮੇਤ ਅਲਰਟ ਕਾਰਜ
ਸਮੇਤ ਅਲਰਟ ਕਾਰਜ ਕਾਰਜ ਸਮੇਤ। ਏਸੇ
ਕਾਰਜ Commons ਅਲਰਟ ਸਮੇਤ
ਅਲਰਟ ਕਾਰਜ ਕਾਰਜ - ਅਤੇ ਕਾਰਜ
ਕਾਰਜ ਸਮੇਤ - ਸਮੇਤ ਅਲਰਟ
ਕਾਰਜ। ਅਤੇ ਉਪਰੋਕਤ - ਏਸੇ ਸਮੇਤ

सुत्रोक्तान् सर्वान् । राजिकं Commons अलख-
अभ्यासाद्यमे अमसुव- आद्यालकुन हे- आभिलि
आभिलिहे सुत्रोअल अमगत- आदिव काये।

iii) विद्युत् सुअतः वैश्वैतिक-प्रसूत Commons
अल सुडाउ- सुअतवा आधिकारी-। हे ठवकावव-
आय-युम विमनुन कविव काये। वैश्व-
अस-आडुअ अकाला विधेक- प्रमाम Commons
अलउ डेआकित सुम। Commons अलउ सुत्रेउ
हेल सुआक Lands अलले अडुआमनव-
कावव काडिया सुम। Land अलहे ठवकावव
आय-युम अस-आडुअ सुअव काडिल का-
अस-आवेन काविव- कावव।

ii) आधिकार- आधिकारी अमगः Commons
अलख आधिकार- आधिकारी- अमग- आडु।
आधिकार अभ्यासाद्यमे वैश्वैतिकवउ- Commons
अलहे अस-धिकारव- आिकाम दमम आ-आवेन-
काविव काये। सुत्रि- डेउम सुआलाम
एकाम अस-आधिकार उअवउ- हेवैव वव-
प्रम बुलि सुआक काडिल काविव सुआव।

प्रकाश प्राप्त / कार्मिकीय दालिन कथा प्रगिकरव
 उदर- आरु विकर आरु आरुता इम /
 नर विकर आरु आरुताइर ररुकावी-
 नीतिर उदर- प्ररुव सिद्धर करुव /

House of Commons व वरुअरुता :

उरुवउ House of Commons व सिद्धिनु
 सुअरु आरु करुअरुनी- सिद्धिनु करुव ररुआ ररुअ
 ररु उरुअरुताइर- सिद्धि Commons अरु अरुअरु
 सुअरुअरु अरुअरुनी- सिद्धि ररुअरु- ररुअरु- ररुअरु-
 प्ररुव- आरु करुअरु- नरुअरुअरु अरुअरु । सिद्धि
 अरुअरु- अरुअरुअरु सुअरुअरु सिद्धि ररुअरु Commons
 अरुअरु सुअरुअरु अरुअरु अरुअरु । अरुअरु- अरुअरु,
 आरु- ररुअरु सिद्धिअरु आरु ररुअरुअरु अरुअरु करुअरु-
 अरुअरुअरु Commons अरुअरु अरुअरुअरु अरुअरु-
 सिद्धिअरुअरु । अरुअरुअरु अरुअरुअरुअरु- अरुअरुअरु-
 ररुअरुअरु करुव अरुअरुअरु- अरुअरुअरु-
 अरुअरुअरु अरुअरु नरुअरु Commons अरुअरु- ररुअरुअरु
 अरुअरुअरु अरुअरु ररुअरुअरु- सिद्धिअरुअरु- अरुअरुअरुअरु-
 नरुअरु । सिद्धिअरुअरुअरु अरुअरु अरुअरुअरु- करुव Commons
 अरुअरु- ररुअरुअरु करुव आरु ररुअरुअरु- अरुअरुअरुअरु-
 अरुअरुअरुअरु- अरुअरु अरुअरुअरु- ररुअरुअरुअरु- अरुअरुअरुअरु-
 अरु अरुअरुअरुअरु Commons अरुअरु करुव- ररुअरुअरु ।

प्रतिके दोन भाग एक House of Commons
 व मुख्य वर परिभाषित अङ्कित हेतु । किंतु
 House of Commons व मुख्य भाग शोचनीय प्रारंभ
 आधिकारिक गुरुत्वात र्भाव उच्च कोटि प्रकारे
 परिभाषित होताने । House of Commons
 जनसामान्य प्रतिनिधित्व भाषा शक्ति एक
 प्रजातंत्रिक अनुमान । र्भाव प्रतिनिधित्व प्रकाश
 प्रश्न चर्चा अदालत नोडि, विभागात आठ काय-
 काय विभाग विभागात आणवत करिष
 भाषि । अंशतः केव भाषि एक प्रारंभ व
 आधिकारिक गुरुत्वात House of Commons व
 आधिकारिक अंशतः आहे ।

७) प्रारंभ भाषितिक दल व प्रजातंत्रिक-आठ-
 काय वरी चर्चा- चर्चा ।

Ans: भाषितिक दल प्रजातंत्रिक व भाषितिक
 आठ व विभाग अंश । दल भाषितिक व-आठ
 आठ दल भाषितिक व भाषितिक आठ व भाषितिक
 भाषितिक । प्रारंभ प्रजातंत्रिक दल भाषितिक दल
 भाषितिक आठ व भाषितिक हेतु भाषितिक कोटि
 आधिकारिक आठ व दल भाषितिक दल भाषितिक
 भाषितिक व भाषितिक आठ व भाषितिक आठ व भाषितिक
 भाषितिक भाषितिक आठ व भाषितिक आठ व भाषितिक
 भाषितिक भाषितिक आठ व भाषितिक आठ व भाषितिक

